ब्राह्मण सो फरिश्ता सो देवता

Source: www.brahma-kumaris.com (Main Website) | www.bkgoogle.com (BK Google)

- **Brahman-Farishta-Devta – Hindi poem**

बन गए हम ब्राह्मण बनकर ब्रह्मा की सन्तान
पवित्रता अपनाकर हम करते अपना उत्थान

अमृत वेले के समय बाबा से मिलन मनाकर
अपने अन्दर सर्व आत्मिक शक्तियां जगाकर

योग बल से बन जाते हम भी पुरे बाप समान
श्रीमत द्वारा कर देते हर मुश्किल को आसान

पांच तत्वों के शरीर का भान प्रतिदिन मिटाते
ब्रह्मा बाप समान हम खुद को फरिश्ता बनाते

घर जाते है खुद को हम शांत स्वरूप बनाकर
बाप संग शांति फैलाते विश्व का चक्र लगाकर

परमपिता के हम बच्चे हैं हम ही देवता बनेंगे
लेकिन सबसे पहले हम त्यागी तपस्वी बनेंगे

चुन चुनकर अपने सर्व अवगुणों को मिटाएंगे
सोए हुए आत्मभान को फिर से हम जगाएंगे

श्रीमत पर अपना हर पुराना संस्कार बदलेंगे
अपने संग संग सबको अपने घर लेकर चलेंगे

सर्व गुणों में खुद को हम बाप समान बनाएंगे
सर्व गुणों से सजकर हम नई दुनिया में आएंगे

ॐ शांति।

by: BK Mukesh bhai - bkmukesh1973@gmail.com

For More **Poems**, visit – www.bkofficial.com/poems

OR scan this QR code with your phone camera ->